'आत्मशुद्धि का प्रयोग है सामायिक'

युवाचार्यश्री महाश्रमण

बीदासर, 23 अप्रैल।

युवाचार्यश्री महाश्रमण ने स्थानीय तेरापंथ भवन के श्रीमद् मघवा समवसरण में अभिनव सामायिक का प्रयोग कराते हुए कहा कि सामायिक आत्म शुद्धि का प्रयोग है। अभिनव सामायिक के प्रयोग से मन को साध सकते हैं।

समायिक प्रत्याख्यान सूत्र से प्रारंभ हुए अभिनव सामायिक प्रयोग में त्रिपदी वंदना, प्रेक्षाध्यान और श्रुताराधना का प्रशिक्षण दिया गया। सामायिक के प्रयोग में 48 मिनट तक काया और वचन की अशुभ प्रवृत्ति का प्रत्याख्यान किया जाता है।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि समता के विकास हेतु सामायिक का प्रयोग करना चाहिए। सामायिक से संवर की साधना होती है और उसमें ध्यान एवं स्वाध्याय करने पर निर्जरा होती है।

गुरुवार को प्रातः बेला में आचार्यश्री महाप्रज्ञ ने शासन सेवी रूपचन्द दुगड़ परिवार द्वारा निर्मित 'कोडमदेसर भेरूंजी' के मंदिर एवं गेस्ट हाउस का अवलोकन किया तथा तत्पश्चात वृद्ध साध्वी सेवाकेन्द्र थान-सुथान जाकर वृद्ध साध्वियों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा रस्ते में पड़ने वाले श्रावकों के घरों में पगल्ये किये।

'समग्र व्यक्तित्व विकास में सहायक जीवन विज्ञान'

मुनिश्री किशनलाल

बीदासर, 23 अप्रैल।

जीवन विज्ञान शिक्षा में पूर्णता प्रदान करता है। जो विषय पढाये जा रहे हैं, विज्ञान, भाषा, गणित इतिहास, भूगोल जिससे बालक दुनिया के बारे में जानने लगता है किन्तु अपने जीवन के बारे में जान नहीं पाता है, जीवन विज्ञान जीवन से सबन्धित विषयों का प्रशिक्षण प्रदान करता है। आजीविका की शिक्षा के साथ जीवन की शिक्षा जुड़ जाने से विद्यार्थी के व्यक्तित्व का समग्र विकास हो जाता है।

जीवन विज्ञान के बारह अंग के माध्यम से विद्यार्थी को मधुर भाषा, श्रेष्ठ संकल्प, आसन, प्राणायाम, शिथीलीकरण ध्यान, शरीर विज्ञान, स्वास्थ्य विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्वास्थ्य, मूल्यपरक शिक्षा, अहिंसा प्रशिक्षण ये बारह अंग द्वादशांग योग के नाम से मुनिश्री किशनलालजी ने प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान किया।

समणी विशदप्रज्ञाजी ने मानसिक विकास को स्पष्ट किया, श्री सुन्दरलाल माथुर एवं डॉ. अंशुमान शर्मा ने जीवन विज्ञान के परिचय को पावर पॉईंट के द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

एक दिवसीय कन्या संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन

बीदासर, 23 अप्रैल।

स्थानी थान-सुथान एवं श्री हनुमानमल चौरड़िया के निवास स्थान पर गुरुवार को एक दिवसीय कन्या संस्कार निर्माण शिविर का आयोजन आचार्यप्रवर एवं युवाचार्यप्रवर, साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के सान्निध्य में तेरापंथ महिला मण्डल के तत्वावधान में आयोजित किया गया। मुख्य नियोजिका साध्वीश्री विश्रुतविभाजी ने बच्चों को जीवन विज्ञान में ''अध्यात्म का विकास कैसे करें'' विषय पर प्रशिक्षण दिया। समणी शांतिप्रज्ञाजी ने आसन प्राणायाम व प्रेक्षाध्यान के प्रयोग करवाए। साध्वी गवेषणाश्री, साध्वी शुभप्रभाजी एवं समणीजी ने कहानियों के माध्यम से ''आवेश कम कैसे करें'' एवं ''भावनात्मक विकास कैसे करें'' का प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर बच्चों को अनेक प्रतियोगिताएं करवाई गई। इस अवसर युवाचार्य महाश्रमण ने आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में स्थानीय तेरापंथ महिला मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती शांतिदेवी बांठिया, कोषाध्यक्ष श्रीमती सरोजदेवी दुगड़, अखिल भारतीय महिला मण्डल की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती पुष्पादेवी बैंगानी एवं श्रीमती अंतर बैद ने बच्चों के व्यवस्था संबंधी दायित्वों को संभाला।

- अशोक सियोल
99829 03770